

कार्यालय अंचल अधिकारी, तोरपा।

वाद अभिलेख सं० २०४/१११४ (अन्तर्गत धारा 4(h) BLR Act. 1950)

आदेश पत्रक सं० से तक

वाद का प्रकार :- बिहार (झारखण्ड) भूमि सुधार अधिनियम 1950 की धारा 4(h) के तहत
जाँच एवं कार्रवाई

आदेश का नांक तिथि	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर गई कार्रवाई टिप्पण आदेश
----------------------	--------------------------------	---------------------------------------

2012-17

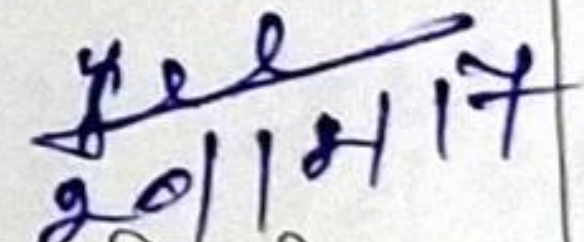
झारखण्ड सरकार के ज्ञापांक 2074/रा० दिनांक 13.05.2016 सहपठित श्री अनुज मुखर्जी निदेशक, भू०-अर्जन-विशेष सचिव, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का पत्र सं०-3-खा०म०निति-119/85/2308/रा० दिनांक 09.12.1998 में निहित निदेश के अनुपालन में गैरमजरुआ खास भूमि में कायम की गई जमाबंदियों जाँच प्रारम्भ की गई। जाँच के क्रम में हल्का राजस्व कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक द्वारा प्रतिवेदित किया कि मौजा जयपाली थाना तोबा खाता सं० २५ प्लॉट सं० ३५० रकबा ६-६। एकड़ की भूमि जो गैरमजरुआ खास अनाबद बिहार (झारखण्ड) सरकार की खाते की सरकारी भूमि जिसकी जमाबंदी उस मौजा के पंजी II के जिल्द सं० पृष्ठ सं० पर जमाबंदी रैयत कुल पाल पिता/पति का नाम से कायम है। यह जमाबंदी संदिग्ध है।

हल्का कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन से प्रतीत होता है कि उपर्युक्त जमाबंदी बिना सक्षम प्राधिकार के आदेश के/अवैध बन्दोबस्ती के आधार पर/अवैध सादाहुकुनामा कायम की गयी है। जिसका उद्देश्य निजी लाभ एवं राज्य को क्षति कारित करना है। प्रथम दृष्टय उपर्युक्त से स्पष्ट होता है कि उपर्युक्त विवरणी की जमीन की सृजित जमाबंदी अवैध जिसका बिहार (झारखण्ड) भूमि सुधार अधिनियम 1950 की धारा 4(h) के तहत जाँच किया जाना वांछनीय प्रतीत होता है।

अतएव संबंधित जमाबंदी रैयत को नोटिस निर्गत कर उपर्युक्त भू०-खण्ड से संबंधित मूल दस्तावेज/ निर्गत लगान रसीद की मांग करे तथा उनको कारण-पृच्छा करे कि क्यों नहीं उक्त जमाबंदी को अवैध मानते हेतु इसे बिहार (झारखण्ड) भूमि सुधार अधिनियम 1950 4(h) के तहत सक्षम प्राधिकार को रद्द करने हेतु अनुशंसित किया जाय।

अभिलेख दिनांक २०११४ को उपस्थापित करें।

लेखापित एवं संशोधित


 अंचल अधिकारी
 तोरपा

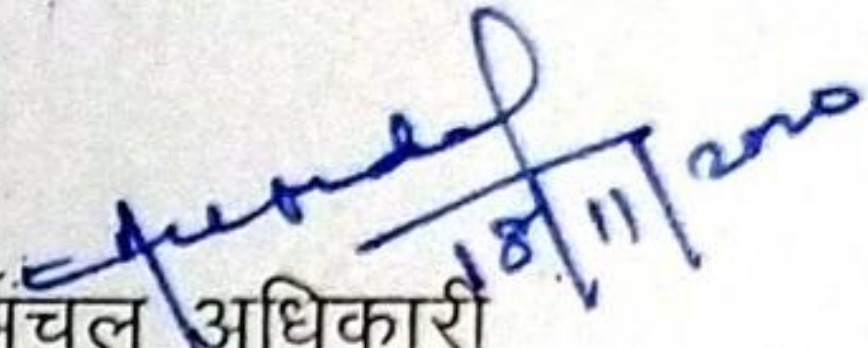
श की
ति

आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

आदेश
कार्य
आदेश

अभिलेख उपस्थापित,


11-2020
मूल पंजी II / जमाबंदी पंजी एवं खतियान का अवलोकन किया गया। इस अवैध / संदिग्ध जमाबंदी के संबंध में भूमि सुधार अधिनियम की धारा 4h के तहत पूर्व से वाद सं० 207 के अन्तर्गत कार्यवाही संचालित है। चूंकि एक ही मामले में दो अलग-अलग वाद के तहत सुनवाई नहीं की जा सकती है। इस कारण अंचल निरीक्षक एवं राजस्व उपनिरीक्षक से प्राप्त अनुशंसा एवं दस्तावेजों के अवलोकन के आधार पर इस वाद की कार्यवाही बंद की जाती है।


अंचल अधिकारी
तोरपा।

जमानंदी कादसे - 208

कादी - दुलार पासन

थए मामला पुनरावृत्ति का है जिसका
कादसे - 207 है। इस मामले पर कार्यवाही जून 2017
में चल रहा है। अतः इस मामले को खारिज किया
जा सकता है।


Rajinder